परिचय : ____

संतोष कुमार
साहित्यिक नाम - संतोष पटेल

पिता - डॉ गोरख प्रसाद मस्तना

माता - श्री मती चिंता देवी

जन्म - 4 मार्च, 1974,बेतिया, पश्चिम चंपारण, बिहार

शिक्षा - रिसर्च स्कॉलर (भोजपुरी), बी आर ए बिहार विश्वविद्यालय (प्री - पीएचडी -पास)

यूजीसी नेट (हिंदी) क्वालिफाइड

एम ए (इंग्लिश) ,एम फिल (इंग्लिश) - प्रथम श्रेणी
एम ए (हिंदी) - प्रथम श्रेणी
एम ए (भोजपुरी)- प्रथम श्रेणी में प्रथम । स्वर्ण लब्ध पदक।

स्नातकोतर डिप्लोमा- अनुवाद
स्नातकोतर डिप्लोमा- पत्रकारिता व जनसंचार
सिनिअर डिप्लोमा - गायन (संगीत)

सम्प्रति - संपादक - भोजपुरी ज़िन्दगी, सह संपादक - पुर्वान्कूर, (हिंदी - भोजपुरी), साहित्यिक संपादक - डिफेंडर (हिंदी- इंग्लिश- हिंदी), रियल वाच (हिंदी), उपासना समय (हिंदी), सहायक संपादक - भोजपुरी पंचायत.

* भोजपुरी कविताएँ एम ए (भोजपुरी पाठ्यक्रम, जे पी विश्वविद्यालय) में चयनित " भोजपुरी गद्य-पद्य संग्रह-संपादन - प्रो शत्रुघ्न कुमार

* सदस्य - भोजपुरी सर्टिफिकेट कोर्स निर्माण समिति, इग्नू, दिल्ली
राष्ट्रीय अध्यक्ष- भोजपुरी भाषा मान्यता आंदोलन सह भोजपुरी जन जागरण अभियान। दिल्ली।

* सदस्य - आयोंजन समिति - विश्व भोजपुरी सम्मलेन, दिल्ली (महासचिव - पूर्वांचल एकता मंच)

राष्ट्रीय संयोजक - इन्द्रप्रस्थ भोजपुरी परिषद्

महासचिव - अखिल भारतीय भोजपुरी लेखक संघ, दिल्ली

प्रचार मंत्री - अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मलेन, पटना।

प्रकाशन - भोर भिनुसार (भोजपुरी काव्य संग्रह), शब्दों के छांह में (हिंदी काव्य संग्रह), Bhojpuri Dalit Literature- Problem in Historiography

प्रकाश्य - भोजपुरी आन्दोलन के विविध आयाम, भोजपुरी का संतमत- सरभंग सम्प्रदाय, , Problem in translating Tagore's novel - The Home and The World , अदहन (भोजपुरी के नयी कविता)

कविता पाठ / पेपर रीडिंग - राष्ट्रीय आ अंतर राष्ट्रीय मंच से

हमार डोमा काका अब डोमा मियाँ काहे ?

++++++++++++++++++++++++++

आजुओ हमार गाँव / जाति धरम के जंजाल में हेराइल नइखे
शहरुआ ताम झाम से घेराइल नइखे
अपनापन के फुलपात /मउराइल नइखे
काहे कि / ढेर पढला लिखला के बेमारी /आ
धरम करम के ढकोसला से बचल बा / काहे कि
आजुओ हमरा गाँव के जाति धरम से हटल भाव
रचल बा / बसल बा
आजुओ डोमा काका / केहू के फूफा
केहू के मामा / केहू के भइया त केहू के सार लागेलें
हमरा त उ अकेले / कूल्ह नाता रिश्ता के
संसार लागेलें
कहे के त हउएँ
मुसलमान / बाकिर वाह रे
हमार गाँव के ईमान
आजहूँ हिन्दू के कूल्ह पूजा पाठ/ अठजाम
शादी बिआह के उहे निभावेलें
चउका पुरे लें / आम के पुलई बान्हेले
आसनी लगावेलें / दूल्हा दुल्हिन के
गाँठ बान्हेलें / डोमा काका / मुसलमान
बाकिर वाह रे हमार गाँव . केहू कुछुओ
ना कहल/ ना सोचल / कहियो
भगवान ना छूअइलें / ना रिसीअइलें
अचके / ना जानी जे
कवन नया हवा बहल की नेह छोह आ अपनापन के
डेहरी ढहल / अब कुछु लोग उनका के
नया विशेषण देत बा / डोमा मियाँ
हम सुननी त / बुझाइल कि मोल जोल मोहब्बत
के धोती फाटल जाता का ?
आदमियत के जाति धरम के आरी से
काटल जाता का ?
एक दिन आँखि में लोर कइले / मुड़ी पर
पेटी मोटरी धइले /अनमुहाए / काकी के संगे
गाँव से निकसत जात रहले / डोमा काका
उनकर मन रोअत रहे / डहकत बाड़ें
फिकिर इहे कि 'डोमा' काका से डोमा मियां कब से/
आ काहे हो गइलें ?
सात पुस्त इहें जियल/ मेल मोहब्बत के पुआ पूरी खइलस
सेवई पियल/ ई का हो गइल?
माथ ठेठावत रहलें / बाकिर केहू से किछऊ ना बतावत रहलें
एतने में केहू के टोके के आवाज सुनले - के ह हो ? रुक
अन्हारे अनमुहाए कहवाँ के चढ़ाई बा
टोकवइया आउर केहू ना सरपंच जी रहले /
हमार बाबा / सज्जी गांव के बाबा / आजा / दादा
पुछलें का हो ? कहवां जात बाड़?
डोमा काका रोलइले कहलें /
का रहिए गइल
जब हम डोमा काका से डोमा मियाँ हो गइनी
सरपंच बाबा कहलें / ना भाई / तू कतहीं ना जइब
ना तूं / ना भाउजाई / संगे संगे
जीयल जाई / एके कटोरा में पारापारी सनेह
के पानी पियल जाई
जबले हम जीयब / नेह के लुगरी सियब
लउट अ
इ सुनत /ऊपर अल्लाह भा भगवान
लेत रहे लोग मुस्कान
साइत/ एही में नू जिएला आपन
हिंदुस्तान / हिंदुस्तान / हिंदुस्तान

------ooo------